वार्तालाप-575 ताडेपल्लिगुडेम, दिनांक 28.05.08

Disc.CD No.575, dated 28.5.08 at Tadepalligudem-I
Extracts-Part-1

समयः 02.50-04.00

जिज्ञासुः बाबा, ड्रामा हमसे पुरुषार्थ कराता है। कैसे?

बाबाः ड्रामा कहो, धर्मराज कहो, शिवबाबा कहो, शिवबाबा खुद तो पुरुषार्थ करते नहीं। बच्चों से कराते हैं। अब ड्रामा का नाम ले लो चाहे शिवबाबा का नाम ले लो। ड्रामा का नाम लेंगे तो 63 जन्मों के हमारे कर्म ही ड्रामा हैं। क्या? 63 जन्मों में हमने जो कर्म किये हैं। अच्छे कर्म किये हैं तो हमारा अच्छा ड्रामा बना है। और बुरे कर्म किये हैं तो बुरा ड्रामा बना है। तो ड्रामा जो है वो हमसे अच्छे बुरे पुरुषार्थ कराता है।

Time: 02.50-04.00
Student: Baba, drama enables us to make *purusharth* (spiritual effort). How?
Baba: Call it drama, call it Dharmaraj, call it Shivbaba; Shivbaba does not make *purusharth* Himself. He enables the children to make *purusharth*. Call it drama or call it Shivbaba. If you call it drama, then the actions of our 63 births themselves are drama. What? Whatever actions we have performed in the 63 births; if we have performed good actions, our drama has become good. And if we have performed bad actions, then our drama has become bad. So, the drama enables us to make good or bad *purusharth*.

समयः 04.08-21.10

बाबाः एक प्रश्न आया है कि किसी कैसट में बोल दिया कि तुम बच्चे ड्रामा को भी चेन्ज कर सकते हो। तो क्या जगदम्बा भी अपना ड्रामा चेन्ज कर सकती है? जगदम्बा का पार्ट क्या है? सारे जगत की अम्बा माने सारे जगत की माता। इस मनुष्य सृष्टि पर एक भी ऐसा मनुष्य नहीं है जो उस माता की गोद में न खेलता हो। कौन है वो? अरे पृथ्वी ही तो माता है। ये जो पृथ्वी है, वो सारे जगत की माता है। कोई ऐसा मनुष्य मात्र है जो पृथ्वी की गोद में न खेला हो? है कोई? सभी खेलते हैं। तो वो माता, पृथ्वी माता कहो, जगदम्बा कहो, महाकाली का रूप धारण करने वाली कहो, क्या अपना पार्ट चेन्ज कर सकती है?

Time: 04.08-21.10
Baba: A (written) question has been asked: It has been said in a cassette that you children can change the drama as well. So, can Jagdamba also change her drama? What is Jagdamba's part? The *amba* of the entire *jagat* means the mother of the entire world. There is not even a single human being in this human world who does not play in the lap of that mother. Who is she? *Arey*, the Earth itself is the mother. This Earth is the mother of the entire world. Is there any human being who hasn't played in the lap of the Earth? Is there anyone [like this]? Everyone plays [in her lap]. So that mother, call her Mother Earth, call her Jagdamba, call her the one who takes the form of Mahakali, can she change her part? ☺

कौनसा पार्ट चेन्ज करने की बात है? चेन्ज करने वाली बात क्यों पैदा होती है? अज्ञानता से पैदा होती है या ज्ञान से पैदा होती है ड्रामा को चेन्ज करने वाली बात? मान लो कोई भी आत्मा का कोई पार्ट है ड्रामा में वो कोई भी आत्मा का कोई पार्ट ड्रामा में नूंधा हुआ है, तो कल्याणकारी है

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

उस आत्मा के लिए और सारे विश्व के लिए या अकल्याणकारी पार्ट है? कल्याणकारी है। जबकि बोल दिया कि हर आत्मा अपने पार्ट से अंत में संतुष्ट हो जावेगी। कोई भी आत्मा ऐसी नहीं बचेगी जो अपने पार्ट से असंतुष्ट हो। कोई चेन्ज करने की बात आती है? और रही अगर कहीं वाणी में बोल दिया कि तुम बच्चे अपने पार्ट को भी चेंज कर सकते हो। जैसे कि महाकाली का पार्ट है सारे जगत का संहार कर देना। सबको अनिश्चय में ले आना। सारी ब्राह्मणों की दुनिया अनिश्चय रूपी मृत्यु के काल के गाल में समा जावे। ऐसा करने से महाकाली की जीत होगी या जन्म-जन्मान्तर की प्राप्ति की हार होगी? स्थापना से भाग्य बनता है या विनाश से भाग्य बनता है? स्थापना करने से भाग्य बनता है। और विनाश करने से, अनिश्चय पैदा करने से?

It is about changing which part? Why does the topic of changing [the drama] arise? Does the topic of changing the drama arise due to ignorance or due to knowledge? Suppose, a soul has a part in the drama; so, if a soul has a part fixed in the drama, is it beneficial for that soul and for the entire world or is it a harmful part? It is beneficial. When it has been said: 'every soul will be satisfied with its part in the end. There will not be any soul which remains unsatisfied with its part.' Then, does the question of changing [the drama] arise? And if it is said in some *vani* that you children can change your part; for example, Mahakali's part is to destroy the entire world, to make everyone lose faith so that the entire world of Brahmins gets devoured by the death like doubt. By doing so, will Mahakali gain victory or will she lose attainments for many births? Is someone's fortune made through establishment or through destruction? Fortune is made through establishment. And by doing destruction, by creating doubt?

कोई आत्मा निश्चय मैं बैठी हुई है। बाप को पहचान रही है, निश्चय है। और उसको अनिश्चय पैदा करा दिया जाए तो पाप बनता है या पुण्य बनता है? पाप बनता है। इसका मतलब जो अनिश्चय कराने वाला है उसको बाप के ऊपर निश्चय है? उसको खुद भी बाप के ऊपर निश्चय नहीं है। बाप के ऊपर निश्चय नहीं है लेकिन सारी दुनियां की हत्या करने के निमित्त बन जाती है कोई आत्मा। तो पावरफुल है या कमजोर है? (जिज्ञासु- पावरफुल है) बहुत पावरफुल है। और ये पावर कहाँ से भरी होगी? (जिज्ञासु- बाप से) बाप से भरी ही होगी। कहाँ भरी होगी? संगमयुग में ही वो पावर भरी है । तुम बच्चे बाप से मिलन मेला मनाते हो। वो मेले तो मैले होने के मेले हैं। और तुम? तुम साफ सुथरे पावरफुल बनने का मेला मनाते हो।

[Suppose] some soul has faith. It is recognizing the Father and it has faith. And if he is made to lose faith, does one accumulate sin or merit? One accumulates sins. It means that does the one who creates doubt have faith on the Father? He himself does not have faith on the Father either. If some soul doesn't have faith on the Father yet, it becomes instrument in killing the entire world; so, is it powerful or weak? (Student: It is powerful.) It is very powerful. And where will it have filled that power? (Student: from the Father.) It must have filled it from the Father Himself. Where will it have filled it? It has filled the *power* in the Confluence Age itself. You children celebrate the *milan mela* (meeting-fair) with the Father. Those are the fairs (*mele*) which make you dirty (*maile*). And what about you? You celebrate the fair (*mele*) to become neat and clean and *powerful*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो जास्ती से जास्ती प्रैक्टिकल इस दुनिया में, ब्राह्मणों की दुनिया में ज्यादा मिलन मेला किसने मनाया? जगदम्बा ने मनाया। संग के रंग की पावर भरी ना। भरी या नहीं भरी? भरी तो, लेकिन गीता का भगवान बुद्धि में कौन बैठा? कृष्ण बच्चे के ऊपर ही श्रद्धा विश्वास भावना बैठी रही। ब्रह्मा की सोल के ऊपर ही भावना पक्की बैठी रही। अगर ये भावना पक्की होती कि गीता का भगवान कृष्ण नहीं है, दादा लेखराज नहीं है, तो वो रुद्र माला का मणका चन्द्रवंशियों की बीज बनती या सूर्यवंशियों की बीज बनती? सूर्यवंशियों की बीज बन जाती। लेकिन अंत तक ये धारणा पक्की बैठी रही कि कृष्ण की आत्मा श्रेष्ठ है। राम वाली आत्मा श्रेष्ठ नहीं है। उसका कारण क्या है?

So, who celebrated the maximum fair of meeting in practice in this world, in the world of Brahmins? Jagdamba celebrated it. She acquired the *power* of the color of company, didn't she? Did she or didn't she? She did fill it, but who sat in her intellect as the God of the Gita? She had veneration, faith and feelings only for the child Krishna. She developed faith only on the soul of Brahma firmly. Had her feeling been strong that the God of Gita is not Krishna, Dada Lekhraj, then would she, a bead of the *Rudramala*[1], have become a seed of the *Chandravanshis*[2] or a seed of the *Suryavanshis*[3]? She would have become a seed of the *Suryavanshis*. But she had this firm belief till the end that the soul of Krishna is elevated. The soul of Ram is not elevated. What is its reason? ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

...जगदम्बा तो 108 माला के जो मणके हैं रुद्रमाला के, उनमें ऊपर का मणका है ना, ऊँच स्टेज का। उसकी बुद्धि में ही अगर ऐसी बात बैठी होगी, श्रद्धा, विश्वास निराकार ज्योतिबिन्दु के ऊपर ज्यादा हुआ या साकार के ऊपर हुआ? निराकार के ऊपर श्रद्धा, विश्वास जास्ती है कि वो निराकार ही गीता का भगवान है ज्योतिबिन्दु। ये पक्का विश्वास है। ये बुद्धि में बात बैठती ही नहीं कि वो निराकार साकार में आए बिगर गीता का ज्ञान कैसे सुनाने का निमित्त बनेगा? इस ड्रामा को वो आत्मा चेंज करेगी या नहीं करेंगी? करेगी। उसमें भी जगदम्बा की आत्मा चेंज करने में पहल करेगी या ब्रह्मा की आत्मा पहल करेगी? (जिज्ञासुः जगदम्बा की आत्मा।) जगदम्बा की आत्मा पहल करेगी?

.....Jagdamba is a top bead among the 108 beads of the *Rudramala*, which remains in a high stage, isn't she? If such a thing is in her intellect, then does [it mean that] she has faith on the incorporeal point of light more or on the corporeal one? Hm? She has more faith on the incorporeal one that the God of the Gita is the incorporeal point of light Himself. She has this firm faith. It does not sit in her intellect at all that how the incorporeal one will become an instrument in narrating the knowledge of the Gita without coming in corporeal form. Will that soul change this drama or not? She will. Even in that case, will the soul of Jagdamba take the initiative to change [the drama] or will the soul of Brahma take the initiative? (Student: The soul of Jagdamba.) Will the soul of Jagdamba take initiative?

[1] The rosary of Rudra
[2] Those who belong to moon dynasty
[3] Those who belong to sun dynasty

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

परिवार होता है। परिवार में माँ भी होती है, बड़े बच्चे भी होते हैं, बड़ी कन्याएं माने पुत्रियाँ भी होती हैं, पत्नी भी होती है। सबसे जास्ती पावरफुल कौन होता है? बाप तो पावरफुल होता ही है। लेकिन बाप के बाद सबसे जास्ती पावर कौनसे संबंध में होती है? (जिज्ञासुः बड़ा भाई।) बड़े बच्चे में होती है, न कि पत्नी में। पत्नी में तो पावर संग के रंग की भरी गई है। लेकिन माता का ये गुण है कि मोह में आ जाती है बच्चों के। अगर माताओं में से मोह का अवगुण निकल जाए तो माताएं समझो पास हो गई। घर-घर की ये समस्या है कि माताएं बच्चे पैदा करने के बाद अपने तन की पावर, अपने धन की पावर, मन की पावर, समय, सम्पर्क, सम्बन्धियों की सारी पावर उन बच्चों में, मोह में लगा देती है। माताओं की पावर खलास हो जाती है। बड़े सहज में गीता का भगवान बच्चे को स्वीकार कर लेती है। माता माता का पति अपने बच्चे को मान लेती है। बच्चा ही मेरा सब कुछ है। पति को भी नेगलेक्ट कर देती है। वो शूटिंग आज घर-घर में चल रही है या नहीं चल रही है? चल रही है।

There is a family. In a family there is a mother as well as elder sons [and] elder daughters; there is a wife also. Who is the most powerful one [among them]? Hm? The father is anyway powerful. But after the father which relation is the most powerful? (Student: Elder brother.) There is power in the elder child and not in the wife. The power of the colour of company has been filled in the wife. But it is the virtue of the mother that she develops attachment for the children. If the mothers become free from the vice of attachment, then you can think that the mothers have passed. It is the problem with every home that after giving birth to children, the mothers invest their entire power of the body, entire power of the wealth, of the mind, of their time, contacts and relatives in those children, in attachment. The power of the mothers ends. She accepts the son as the God of the Gita very easily. The mother accepts the child as her husband. [She thinks:] my son alone is everything for me. She neglects even the husband. Is that shooting going on in every home today or not? It is going on.

लेकिन मातायें पुरुषार्थ तो कर रही हैं। कौनसा? नष्टोमोहा स्मृतिर्लब्धा। इस पुरुषार्थ करने में, कराने में, बाप सहयोगी बना हुआ है। सबसे जास्ती माताओं का सहयोगी है, कन्याओं का सहयोगी है या कुमारों-अधरकुमारों का सहयोगी है? (सबने कहा – माताओं का।) माताओं का सहयोगी है। उन माताओं में मुख्य माता कौन है? (सबने कहा – जगदम्बा।) जगदम्बा। जब बाप सहयोगी है, तो बाप अकेला सहयोगी बनता है या कोई साथी बनाता है? जानते हैं कि सुप्रीम सोल बाप खुद कुछ नहीं करता। जो कुछ भी करता है, किसके साथ करता है? बच्चों के साथ करता है। तो बच्चों में पहला नंबर बच्चा कौन है? सृष्टि का पहला पत्ता कौन है? कृष्ण बच्चा। तो कृष्ण बच्चे की आत्मा वो जगदम्बा का अंतिम रूप, जो तमोप्रधान रूप है – महाकाली – उसके मस्तक में प्रवेश है। चंद्रमा दिखाया जाता है, जगदम्बा, महाकाली के मस्तक में? (किसीने कहा-नहीं।) नहीं दिखाया जाता है? दिखाया जाता है। वो ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा की सोल अभी भी उस आत्मा को इन्स्पिरेट करती है अच्छी बातों के लिए।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

But mothers are indeed making *purusharth*. Which *purusharth*? *Nashtomoha smritilabdha*. The Father is playing the role of a helper (*sahyogi*) in making and enabling you to make this *purusharth*. Does He help the mothers the most, the virgins, the *kumars* (bachelors) or the *adharkumars*? (Everyone said: The mothers.) He helps the mothers [the most]. Who is the main mother among those mothers? (Everyone said: Jagdamba.) Jagdamba. When the Father is a helper, does the Father become a helper alone or does He make anyone else His companion? You know that the Supreme Soul Father does nothing Himself. With whom does He perform any task? He performs it with the children. So, who is the number one child among the children? Who is the first leaf of the world? The child Krishna. So, the soul of child Krishna has entered the forehead of the last form, the *tamopradhan* form of Jagdamba, [i.e.] Mahakali. Is the Moon shown on the forehead of Jagdamba, Mahakali? (Someone said: No.) Is it not shown? It is shown. The soul of the Moon of knowledge Brahma inspires that soul even now for good things.

पहले कृष्ण की सोल की बुद्धि में बैठेगा जो 63 जन्मों से गीता का भगवान सारे मनुष्य मात्र के बुद्धि में पक्का होता चला आया है उस आत्मा की बुद्धि में बैठेगा कि गीता का भगवान कृष्ण नहीं है, रचना नहीं है, गीता का भगवान रचयिता बाप है बीज को बाप कहा जाता है - ये कृष्ण वाली आत्मा की बुद्धि में बैठेगा या जगदम्बा की बुद्धि में पहले बैठेगा? (जिज्ञासु – जगदम्बा।) कृष्ण की बुद्धि में बैठेगा या जगदम्बा की बुद्धि में बैठेगा? अरे, इन्स्पिरेटिंग करने वाली आत्मा कौन है? कृष्ण की आत्मा इन्स्पिरेटिंग पार्टी है। प्रवेश करके जो बात बुद्धि में समझ जाएगी, अच्छी तरह बैठ जायेगी, वो बात बच्चों की बुद्धि में जरूर इन्स्पिरेट करेगी। इन्स्पिरेटिंग पार्टी कौनसी है? जो ब्राह्मण बेसिक नॉलेज में शरीर छोड़ चुके हैं, और शरीर छोड़ने के बाद उनको इस कल्प में दूसरा शरीर नहीं मिलना है अपना, वो एडवांस पार्टी के प्लैनिंग पार्टी बच्चों में प्रवेश करते हैं, और प्रवेश करके उनको इन्स्पिरेट करते हैं, उमंग-उत्साह बढ़ाते हैं।

Will it sit in the intellect of the soul of Krishna first; the God of the Gita that has become firm in the intellect of all the human beings for 63 births; will it sit in the intellect of that soul that the God of the Gita is not Krishna, the creation; the God of the Gita is the creator Father; the seed is called the Father; will this sit in the intellect of the soul of Krishna or in the intellect of Jagdamba? Hm? (Student: Jagdamba.) Will it sit in the intellect of Krishna or in the intellect of Jagdamba? *Arey*, who is the inspiriting soul (i.e. the soul that inspires)? The soul of Krishna is the *inspiriting party*. The thing that he understands, the thing that sits [in his intellect] nicely; he will certainly inspire the children [by making it sit] in their intellect. Which is the *inspiriting party*? The Brahmins who have left the body in the basic knowledge and are not going to get another body of their own in this *kalpa* enter in the children of the planning party of the advance party and they inspire them, increase their enthusiasm by entering them.

तो जगदम्बा का पिता के ऊपर, बाप के ऊपर, जगतपिता के ऊपर तो विश्वास हटा हुआ है या बैठा हुआ है? घर-घर में ये स्थिति है। माताओं का अपने बच्चे के ऊपर इतना मोह हो जाता है कि पति के ऊपर भी विश्वास हट जाता है। मेरा बच्चा ही मेरा बच्चा (सब कुछ) है। बाप के ऊपर तो विश्वास हटा हुआ है। कौनसी आत्मा पे विश्वास बैठा हुआ है? कृष्ण बच्चे के ऊपर विश्वास बैठा हुआ है। तो कौनसी आत्मा की बात मानेगी? बच्चे की बात मानेगी। ड्रामा चेंज करेगी या नहीं करेगी? ऐसा भी टाइम आयेगा कि जगदम्बा अभी जो अपना ड्रामा खराब कर

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

रही है, एडवांस पार्टी की शुरुआत में जिसने अपना भाग्य बनाया था... सबसे जास्ती भाग्य किसने बनाया? कौनसा शहर है जहाँ के लोगों ने, कन्याओं ने, माताओं ने, भाइयों अपना सबसे जास्ती भाग्य बनाने का बीजारोपण किया? दिल्ली। बाप बांधा हुआ है उन आत्माओं को आदि से लेकर अंत तक सबसे जास्ती सहयोग देने के लिए बांधा हुआ है।

So, has Jagdamba lost faith on the Father, on the Father of the world or does she continue to have faith? This is the situation in every house. Mothers develop so much attachment for their children that they lose faith even on the husband. [They think:] My child is my everything. She loses faith on the Father. On which soul does she have faith? She has faith on the child Krishna. So, which soul will she listen to? She will listen to the child. Will she change the drama or not? Such time will also come when Jagdamba, who is spoiling her drama at present, the one who had made her fortune in the beginning of the advance party; who made the maximum fortune? The people, the virgins, the mothers [and] the brothers of which city have sowed the seed of making their maximum fortune? Hm? Delhi. The Father is bound to give maximum cooperation to those souls from the beginning to the end.

और जगदम्बा ने तो आदि में ही नहीं, मध्य में भी बाप का सहयोग दिया। सिर्फ बुद्धियोग की चाबी घूमने की बात है। तो जगदम्बा भी अपना ड्रामा चेंज करेगी। ऐसे नहीं बाप की विरोधी रहेगी और बाप से विरोध पैदा कराती रहेगी। जैसे कि ब्रह्माकुमारियाँ अभी बाप की विरोधी हैं। है कि नहीं? (किसीने कहा-है।) तथा-कथित ब्रह्माकुमारियाँ बाप के विरोध की बातें करती है, बाप की विरोधी है और दूसरों को भी बाप का विरोधी बनाती हैं। उन ब्रह्माकुमारियों, चन्द्रवंशियों की अम्मा कौन? (सबने कहा – जगदम्बा।) जगदम्बा। जो कार्य बड़े करेंगे, बड़ों को देख कर छोटे करेंगे। यज्ञ के आदि में भी ऐसा ही काम किया होगा या कोई दूसरा कार्य किया होगा? यज्ञ के आदि में भी जगदम्बा ने ऐसा ही कार्य किया था। सारा ब्राह्मण परिवार विरोधी हो गया था।

And Jagdamba cooperated with the Father not just in the beginning, but also in the middle. It is just a question of rotating the key of the intellect. So, Jagdamba will also change her drama. It is not that she will continue to oppose the Father and continue to create opposition for the Father, just as the Brahmakumaris are opponents (*virodhi*) of the Father now. Are they His opponents or not? (Someone said: they are.) The so-called Brahmakumaris speak opposite to the Father; they are the Fathers opponents and make others the Father's opponents as well. Who is the mother of those Brahmakumaris, *Chandravanshis*? Hm? (Everyone said: Jagdamba.) Jagdamba. The young ones will follow whatever the elders do. Would she have performed a similar task in the beginning of the *yagya* too or would she have performed any other task? Jagdamba had performed a similar task in the beginning of the *yagya* as well. The entire Brahmin family had become an opponent. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः 21.50-25.58

बाबाः प्रश्न आया है कि जो महापापी होते हैं, महापाप करने वाले होते हैं, वो ही आपघाती महापापी आत्महत्या या दूसरों की हत्या या अकाले मौत में शरीर छोड़ने वाले बनते हैं सूक्ष्म शरीर धारण करते हैं। तो ब्रह्मा बाबा ने ऐसा कौनसा महापाप किया? और कब किया? कोई की

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बुद्धि में आता है जवाब कि नहीं? बोलो। नहीं आता? अरे कमाल है! (जिज्ञासुः खुद को गीता का भगवान समझ लिया।) गीता के भगवान को? (जिज्ञासुः खुद समझ लिया) हाँ। अपना भगवान समझ लिया, बाप समझ लिया। जबकि उससे पहले क्या था? उससे पहले प्रजापिता की ही बात मानकरके ज्ञान में चल पड़े। बाप को पहचाना तो एक सेकण्ड के लिए। धंधाधोरी, सब छोड़ के सत्संग में लग पड़ा ना। सब कुछ त्याग कर दिया बाप की बात पर। फिर क्या हुआ? सबसे बड़ा पाप कौनसा बन गया? भगवान को पहचान कर अंजाम करके फिर बाप को त्याग देना मनमत पर चल पड़ना, या मनुष्य गुरुओं की मत पर चल पड़ना, देहधारियों से आकर्षित हो जाना, ये हुआ सबसे बड़ा पाप। एक सच्चे बाप को छोड़कर और किसका आधार ले लेना? गुरुओं का आधार लेना।

Time: 21.50-25.58
Baba: A (written) question has been asked: those who are the most sinful ones, those who commit terrible sins, those very ones who commit suicide (*aapghati*) and are the most sinful ones (*mahaapapi*); they commit a suicide or kill others or die an untimely death [and] take on a subtle body. So, which terrible sin did Brahma Baba commit? And when did he commit it? Does the reply come to anybody's intellect or not? Speak up. Does it not come [to your intellect]? *Arey*, what a wonder! (Student: He considered himself to be the God of the Gita.) The God of the Gita? (Student: He considered himself...) Yes. He considered [himself] to be the God, he considered [himself] to be the Father, whereas what was he before that? Before that he obeyed Prajapita's versions and started following the path of knowledge. He did recognize the Father for a second, didn't he? He left the business and everything and became involved in the *satsang*, didn't he? He gave up everything on the words of the Father, didn't he? Then what happened? Which was the most terrible sin that he committed? After recognizing God, after making a promise, to leave the Father and follow the mind's opinion or follow the opinion of human gurus, or to be attracted to bodily beings, this is the most terrible sin. Leaving the one true Father and taking whose support? Taking the support of the gurus.

गुरुओं में सबसे बड़ा गुरु कौन? अरे, गुरु, इतने मनुष्य गुरु हैं दुनियां में, उन मनुष्य गुरुओं में सबसे बड़ा गुरु कौन जो सबसे ज्यादा सत्यानाशी साबित हो गया? (किसी ने कहाः ब्रह्मा।) कौनसा ब्रह्मा? ब्रह्मा तो चार पांच हैं। (किसी ने कहाः प्रजापिता ब्रह्मा।) प्रजापिता ब्रह्मा। हाँ। (जिज्ञासु – दादा लेखराज) दादा लेखराज? वो ही सबसे बड़ा गुरु है। वो किसी गुरू को नहीं मानता? अरे, जो सबसे बड़ा गुरु होगा वो थोड़ों की बुद्धि को चेंज करेगा या ह्यूज (huge) की बुद्धि को चेंज करेगा? अरे, थोड़ों की बुद्धि को अनिश्चयबुद्धि बनाएगा या ढ़ेरों की बुद्धि को अनिश्चयबुद्धि बनाएगा? ढ़ेरों की बुद्धि को अनिश्चयबुद्धि बनाएगा। वो कौन? अरे ब्रह्मा ने यज्ञ के आदि में दूसरे धर्म की आत्माओं को अपनी गोद में संरक्षण दे दिया। लेकिन किसकी मत पर दिया? (जिज्ञासु – माता की मत पर) माता की मत पर दिया। तो बड़ा गुरु कौन हुआ? माता गुरु हो गई। वो ही माता अभी फिर निमित्त बनने वाली है। ब्रह्माकुमारियों ने तो कोई खास विनाश नहीं कर पाया। एडवांस पार्टी अभी भी जमी की जमी पड़ी है। बड़ा विनाश कब होगा? जब जगदम्बा महाकाली के रूप में जो दोनों हाथों में झाड़ू लेकर खड़ी हुई हो। मैदान में आ जाएगी ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Who is the biggest guru among all gurus?☺ *Arey*, there are so many human gurus in the world; among those human gurus, who is the biggest guru who may prove to be the most destructive? (Someone said: Brahma.) Which Brahma? There are four-five Brahma. (Someone said: Prajapita Brahma.) Prajapita Brahma. Yes☺. (Student: Dada Lekhraj.) Dada Lekhraj? Why? Is he alone the biggest guru? Does he not accept any guru? *Arey*, will the biggest guru change the intellect of few people or will he change the intellect of a *huge* number of people? *Arey*, will he make few people have a doubtful intellect or will he make numerous people have a doubtful intellect? He will make numerous people have a doubtful intellect. Who is he? *Arey*, Brahma gave protection to the souls of other religions in his lap in the beginning of the *yagya*. But on whose opinion did he give [them protection]? Hm? (Student: On the opinion of the mother.) He gave them [protection] on the opinion of the mother. So, who is the biggest guru? The mother guru became [the biggest guru]. The same mother is going to become instrument now once again. Brahmakumaris could not do much destruction. The Advance Party is still standing intact. When will the big destruction take place? It will take place when Jagdamba stands with broom in both hands in the form of Mahakali [and] comes to the battlefield.

समयः 26.10-26.40

जिज्ञासुः अंतर्मुखी का अर्थ चाहिए।

बाबाः अंतर्मुखी। मुख जो है वो बाहर को आवाज़ निकालता है। वायब्रेशन बाहर फैलाता है। दूसरों को भी असर करता है। लेकिन बाहर की आवाज़ करने के बजाय अंदर ही अंदर मनन-चिंतन-मंथन करना, अंदर ही अंदर फैसला करना – क्या राईट है, क्या रांग है – वो है अंतर्मुखी।

Time: 26.10-26.40
Student: I wish to know the meaning of '*antarmukhi*'.
Baba: *Antarmukhi* (introvert). The *mukh* (mouth) throws the sound out. It spreads the vibration outside. It affects others as well. But instead of sending sounds outside, to think and churn inside, to make a decision in the mind: what is right, what is wrong is called *antarmukhi*.

समयः 26.56-33.20

बाबाः तो महापापी ब्रह्मा की लिस्ट में हुआ, कौन? अभी जवाब सही नहीं आया है। यहाँ सूक्ष्म शरीर धारण करने वालों की बात आई है। जिनकी अकाले मौत होती है, वो सूक्ष्म शरीर धारण करते हैं। वो अकाले मौत आत्म या जीवघात से भी होती है। कोई दूसरा हत्या कर दे तो भी होती है। हार्टफेल हो जाए अचानक तो भी होती है। तो क्या उस लिस्ट में प्रजापिता नहीं आवेगा? नहीं आवेगा? क्यों? (किसी ने कहा: प्रजापिता का हार्टफेल थोड़े ही होता है, बाबा।) प्रजापिता का हार्टफेल तो चलो नहीं होता। कोई हत्या तो कर सकता है। (किसी ने कहा: नहीं कर सकता।) नहीं कर सकता है? मुरली में तो बोला है – दुनियां की ऐसी कोई बात नहीं जो तेरे ऊपर लागू न होती हो। बोलो। दुनियां की ऐसी कोई बात नहीं...।

Time: 26.56-33.20 (Baba is continuing the answer to the previous question)
Baba: So, who is included in the list of the most sinful Brahma? The correct reply has not come yet. The topic of those who take a subtle body has been asked. Those who meet an untimely death take on a subtle body. That untimely death occurs due to suicide as well. It takes place even if someone else kills [someone]. It takes place even if someone has a heart failure suddenly. So, will Prajapita not be included in that list? (Someone said: No, Baba.) No Baba? Will he not

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

be included? Why? (Someone said: Prajapita doesn't suffer a heart failure, Baba.) Ok, Prajapita doesn't suffer a heart failure. Someone can indeed kill him. (Someone said: He cannot.) Can't anyone [kill him]? It has been said in the murli: There is nothing in the world which is not applicable to you☺. Speak up. There is nothing in this world...

सारी दुनियां का बीज कौन? जगदम्बा है या जगतपिता है? (सबने कहा – जगतपिता) तो महापुण्यात्मा की लिस्ट में कौन आता है? अरे, बड़े ते बड़ा देवता, महा पुण्यात्मा कौन बनता है? (किसी ने कहा – जगदम्बा) वो माता कह रही है जगदम्बा बनती है। महादेव बनता है ना। तो बड़े ते बड़ा जो पुण्यात्मा बनता है तो ज्ञान क्या कहता है? कि जो बड़े ते बड़ा पुण्यात्मा बनता है वो ही क्या बनेगा? बड़े ते बड़ा पापात्मा बनता है। कुछ भी हो जाए, निश्चय अटल बना रहे, छोड़ करके न भागे। तो यज्ञ के आदि में राम वाली आत्मा यज्ञ छोड़ कर भागी या नहीं भागी? इतना बड़ा ब्राह्मणों का संगठन, उसका फाउन्डेशन जमाया और फिर विरोध हो गया तो ब्राह्मण परिवार का विरोधी बन गई। संगठन का विरोधी बन गई। भले ब्राह्मणों का वो संगठन गलत रास्ते को अपनाए हुए था। अगर परिवार का स्वामी, परिवार का मुखिया, सारा परिवार विरोधी रास्ते को पकड़ ले, पाप के रास्ते को पकड़ ले, उसका फर्ज़ बनता है कि वो सन्यासी बन जाए? उस घरबार को, परिवार को छोड़करके भाग जाए? विरोधी बन जाए? परिवार के सदस्यों का ही विरोधी बन जाए, ये ठीक है क्या? नहीं ठीक है।

Who is the seed of the entire world? Is it *Jagdamba* or *Jagatpita* (the world father)? (Everyone said: *Jagatpita*) So, who is included in the list of the noblest soul (*mahapunyatma*)? *Arey*, who becomes the highest deity, the noblest soul? (Someone said: *Jagdamba.*) That mother is saying that *Jagdamba* becomes [the noblest soul]. *Mahadev* becomes [the highest deity, the noblest soul], doesn't he? So, when he becomes the noblest soul; what does the knowledge say? [It says] that the one who becomes the noblest soul, he himself will become what? He becomes the most sinful soul. Whatever may happen, the faith should remain unshakeable. One should not run away. So, did the soul of Ram run away leaving the *yagya* in the beginning of the *yagya* or not? He laid the foundation for such a big gathering of Brahmins and when opposition began, he became an opponent of the Brahmin family. He became an opponent of the gathering. Although that gathering of Brahmins had adopted a wrong path... If the entire family adopts an opposite path, if it chooses the path of sin, then is it the duty of the lord of the family, the head of the family to become a *sanyasi*, to run away from that household, from that family [and] to become an opponent? Is it correct if he becomes the opponent of the very members of the family? It is not correct.

बाप, बाप है। टीचर, टीचर है। गुरु, गुरु है। ये तीन संबंध कभी भी अकल्याणकारी नहीं होने चाहिए। अगर अकल्याणकारी हैं तो तामसी हैं। इसलिए ब्रह्मा से बड़े ते बड़ा पाप नहीं हुआ। जगदम्बा से भी बड़े ते बड़ा पाप नहीं हुआ। सबसे बड़ा पाप किसके द्वारा हुआ? किसके द्वारा हुआ? (जिज्ञासु – प्रजापिता) प्रजापिता के द्वारा हुआ। जिसके लिए बोला गया: राम फेल हो गया। राम फेल हो गया तो क्या सीता बच गई? वो भी नहीं बची। हाँ, नम्बरवार की लिस्ट में हैं। और? ये तो पूरा पढ़ लेने दो। इसका मतलब ब्रह्मा और ब्रह्मा के फालोअर्स सबसे बड़ा पाप कौनसा करते हैं? अरे? (किसी ने कुछ कहा।) हाँ, दूसरों की मत पर चलने लग पड़ते। एक को छोड़ अनेकों को

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

फालो करते हैं। जब मालूम पड़ गया कि शिव बाप ब्रह्मा के तन में आकरके वाणी चलाता है। ब्रह्मम् वाक्यम् जनार्दनम् – शास्त्रों में भी लिखा हुआ है – ब्रह्मा के मुख से वेदवाणी निकली। तो वेदवाणी के ऊपर पक्का हो जाना चाहिए ना। मुरली की बातों पर ध्यान नहीं देना और दीदी, दादी, दादाओं की मत पर लट्टू होकरके घूमना, नाचना, ये हुआ सबसे बड़ा पाप, महापाप। जिसकी वजह से सूक्ष्म शरीर धारण करना पड़े। आपघाती महापापी बनना पड़े।

The Father is a father. The teacher is a teacher. The guru is a guru. These three relationships should never be harmful. If they are harmful, they are impure. This is why Brahma did not commit the biggest sin. Jagdamba did not commit the biggest sin, either. Who committed the biggest sin? Who committed it? (Student: Prajapita.) It was committed through Prajapita, for whom it has been said: Ram failed. When Ram failed, did Sita remain unaffected? She was not unaffected, either. Yes, she is number wise in the list. So, this means which is the biggest sin that Brahma and the followers of Brahma commit? *Arey*! (Someone said something.) Yes, they start following others' opinion. They leave one and start following many. When they have come to know that the Father Shiva comes in the body of Brahma and narrates the *vani... Brahmam vaakyam janardanam*[4]. It has been written in the scriptures as well that the *Vedvani* emerged from the mouth of Brahma. So, they should have complete faith on the *Vedvani*, shouldn't they? If someone doesn't pay attention to the topics of the murli and acts under the influence of the opinion of the *didis*, *dadis* and *dadas*, this is the biggest sin due to which he has to take on a subtle body. He will have to become the most sinful one who commits suicide (*aapghati mahapapi*). ... (to be continued.)

Extracts-Part-4

समयः 33.40-38.25

बाबाः सच्चा स्नेह क्या होता है, और झूठा स्नेह क्या होता है? इसकी परिभाषा क्या है? कोई के पास जवाब है? अरे कुछ तो बोल दो। (जिज्ञासु – आत्मिक स्नेह सच्चा प्यार है।) आत्मिक स्नेह क्या होता है? देह का स्नेह क्या होता है? आत्मा दिखाई नहीं पड़ती है। तो आत्मा माना मन-बुद्धि। मन-बुद्धि अंदर की चीज़ है कि बाहर की चीज़ है? अंदर की चीज़ है। जो अंदर की चीज़ है, उसे अंदरूनी रहने में ज्यादा ताकत है या बाहर दिखाई दे, उसमें ज्यादा ताकत है? मन-बुद्धि की पावर वो वायब्रेशन की पावर जब काम करे तो ज्यादा पावरफुल होगी या वाचा के रूप में आ जाए, कर्मेन्द्रियों से कर्म करने के रूप में आ जाए तब ज्यादा काम करेगी? वायब्रेशन के रूप में जितनी जास्ती अंदरूनी पावर रहेगी, गुप्त रहेगी उतना ज्यादा काम करेगी। ऐसे ही जगतमाता, जगदम्बा है। प्रकृति का रूप है। वो दिल का प्यार चाहती है या देह का प्यार चाहती है? देह का प्यार तो बहुतों ने किया, 500 करोड़ जो भी बच्चे हैं ।

Time: 33.40-38.25

Baba: (It has been asked through a slip). What is true love and what is false love? What is its definition? Does anyone have an answer? *Arey*, speak something. (Student: the spiritual love is the true love.) What is spiritual love and what is bodily love? A soul is not visible. So, a soul means mind and intellect. Is mind and intellect an inner thing or an external thing? It is an inner

[4] the verses of Brahma are the verses of God

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

thing. Does an inner thing remain more powerful if it remains inside or does it become more powerful if it is visible externally? Is the power of the mind and intellect, the power of vibrations more powerful [if it remains internal] or will it work more if it comes out in the form of words, or if it comes out in the form of actions through the bodily organs? The power will work to the extent it remains internal, incognito more. Similar is the case with *Jagatmata*, *Jagdamba,* the form of nature. Does she want inner love or physical love? Many people, all the 5 billion (500 crore) children gave [her] bodily love.

दिल्ली की गोद में सब धर्मों ने पालना ली है। सबने देह का प्यार किया है या आत्मा का प्यार किया है? (किसी ने कहा: देह का किया है।) सब धर्म वालों ने खून खराबा किया है दिल्ली में। वहाँ हुआ स्थूल खून खराबा 2500 वर्ष के ड्रामा में। और यहाँ? यहाँ ब्राह्मणों की दुनियां में कौनसा खून-खराबा? संकल्पों का खून-खराबा करते हैं। अंदरूनी दिल का प्यार कोई के पास नहीं होता। अंत में एक ही बाप और दूसरा, दूसरा न कोई। एक शिव बाप है जो मुकर्रर रथ में आया हुआ है। वो ही दिल का प्यार देने वाला है। और सब झूठे हैं। सब से धोखा मिलता है। नहीं तो पृथ्वी की धुरी चेंज होने की क्या जरूरत है? जो मुरली में बोलना पड़े कि गौ माता पृथ्वी, जिस बैल के आधार पर कार्य करती है, वो ब्रह्मा रूपी बैल दो सिंगों पर पृथ्वी को लिये खड़ा है। एक सिंग पर पृथ्वी जब थक जाती है दक्षिणायन। सूर्य दक्षिणायन होता है ना असुरों की दुनियां में। तो जब थक जाता है तो यूँ करते हैं, यूँ आ जाती है। पृथ्वी की धुरी चेंज हो जाती है। अभी बड़े ज्योतिषी ये बात बोल रहे हैं। चारों तरफ आवज अखबारों में फैल रही है, टी.वी. में फैल रही है। क्या? क्या आवाज़? 2012 में पृथ्वी अपनी धुरी चेंज कर देगी। अब वो बिचारे वैज्ञानिक और वो बिचारे ज्योतिषी तो जानते ही नहीं हैं कि ये स्थूल पृथ्वी की बात है या स्थूल पृथ्वी की भी कोई चैतन्य आत्मा निमित्त बनी हुई है, वो अपनी धुरी चेंज करती है? असुरों की दुनियां से छलांग लगाएगी और कहाँ पहुँच जाएगी? ब्राह्मण बच्चों में, जो पक्के ब्राह्मण सूर्यवंशी हैं, वहाँ छलांग लगा देगी। पृथ्वी की धुरी ही चेंज हो जावेगी।

All the religions have obtained sustenance in the lap of Delhi. Did everyone give her physical love or spiritual love? People of all the religions have indulged in bloodshed in Delhi. There it was physical bloodshed there, in the drama of 2500 years. And here? Which bloodshed takes place here in the world of Brahmins? They indulge in the bloodshed of thoughts. Nobody has inner love of the heart. In the end only the one Father and none else... It is only the one Father Shiva, who has come in a permanent chariot; He alone gives inner love. All others are false. Everyone deceives [her]. Otherwise, where is the need for the Earth to change its axis? So that it has to be said in the murli: the bull with whose support the Mother Cow, the Earth performs her task, that Brahma like bull is carrying the Earth on two horns. When the [bull] becomes tired [with] the Earth on one horn, in the Southern hemisphere; the Sun is in the southern hemisphere in the world of demons, isn't it? So, when he feels tired, then he (i.e. the bull) does like this and she comes like this (on the other horn). The axis of the Earth changes. Now great astrologers are saying this. The voice is spreading everywhere through newspapers, it is spreading through TV. What? Which voice? [The voice that] the Earth will change its axis in 2012. Well, those poor scientists and poor astrologers do not know at all that whether it is about the physical Earth or is there any living soul instrument for the physical Earth who changes her axis? She will jump from the world of demons and where will she reach? She will jump and reach among the Brahmin children, the firm *Suryavanshi* Brahmins. The axis of the Earth itself will change.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 38.50-41.15

जिज्ञासुः बाबा, जो भी चीज़ हमको मिलने वाला, प्राप्त करने का लिखा होगा तो बिना प्रयत्न के मिलेगा कि नहीं?

बाबाः लिखा किसने होगा?

जिज्ञासुः अपने लिखा है।

बाबाः अपने लिखा है तो फिर अपने को ही प्रयत्न करना पड़ेगा या दूसरा कोई करेगा? लिखा किसने? अपने भाग्य का लेख लिखा किसने? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) भाग्य का लेख लिखा किसने? पूर्व जन्मों में हमने ही अच्छे कर्म करके अपने भाग्य का लेख लिख दिया। अब अच्छे कर्मों की शूटिंग कौन करेगा? अपने को ही करना पड़े। कोई दूसरा प्रयत्न करेगा क्या? अच्छे संकल्प चलाओ, अच्छी-अच्छी बात की तरफ मुड़ जाओ, अच्छे की तरफ मुड़ना है। बुरे की तरफ नहीं मुड़ना है। राम बाप है सच्चा और रावण है झूठा। तो माया और रावण का भेद तो पता चल गया ना। रावण के परिवार में चलता है आशीर्वाद, वरदान। ले जाओ आशीर्वाद। तुम्हारे बच्चे पैदा हो जाएं, शादी हो जाए, धनवान बन जाओ। आयुष्मान बन जाओ। यहाँ ब्राह्मणों के परिवार में? राम सम्प्रदाय में प्रयत्न करो तो प्राप्त करो। पुरुषार्थ करो तो पाओ। पुरुषार्थ न करो तो नहीं पाओ।

Time: 38.50-41.15
Student: Baba, whatever thing has been written [in our destiny], will we get it without making effort or not?
Baba: Who must have written [the destiny]?
Student: We have written it.
Baba: When you have written, then will you yourself have to make effort or will anyone else make effort? Who has written it? Who has written your account of fortune? (Student said something.) Who has written your account of fortune? We ourselves wrote our account of fortune by performing noble actions in the past births. Who will perform the *shooting* for the noble actions now? We ourselves will have to perform it. Will anyone else make effort? Create good thoughts. Divert your intellect towards good things; you have to turn towards good. You should not turn towards evil. The father Ram is true and Ravan is false. So, you have come to know the difference between Maya and Ravan, haven't you? There is prevalence of blessings [and] boons in the family of Ravan. Take blessings: May you have children; may you get married; may you become wealthy; may you live long! Here in the family of the Brahmins, in Ram's community, you will achieve attainments if you make effort. You will achieve attainments if you make *purusharth* (spiritual effort). You will not achieve attainments if you do not make *purusharth*.

जिज्ञासुः बिल्कुल अच्छा-अच्छा संकल्प करना है।

बाबाः हाँ, जी। अच्छा कौन देता है? अच्छा देने वाला कौन है? और बुरा देने वाला कौन है? माया रावण है बुराई दने वाला, अंधेरा देने वाला। और बाप है? सच्चा देने वाला। उजेला देने वाला, रोशनी देने वाला।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: We have to create very good thoughts.
Baba: Yes. Who gives good? Who gives good? And who gives evil? Maya Ravan is the one who gives evil, darkness. And what is the Father? He is the giver of truth, giver of brightness, giver of light.

समयः 43.30-48.15

बाबाः ये बोला मुरली में कि कोई के 50 वर्ष भी कम हो जावेंगे सृष्टि रूपी रंगमंच पर।

जिज्ञासुः ब्रह्मा जैसी आत्माओं..

बाबाः ब्रह्मा जैसी आत्माओं के लिए बोला है कि उनके 50 वर्ष भी कम हो जावेंगे। फिर ब्रह्मा के बाद दूसरा नंबर किसका आयेगा? ब्रह्मा से भी जास्ती ज्ञानी आत्मा कौन थी? (जिज्ञासु –ओम राधे मम्मा।) ओम राधे मम्मा। उनके जन्म कम होंगे, कम वर्ष होंगे या ज्यादा वर्ष होंगे कम? अरे? ओम राधे मम्मा के वर्ष कम होंगे सृष्टि रूपी रंगमंच के पार्ट में या ज्यादा वर्ष कम हो जावेंगे? ब्रह्मा के तो 50 वर्ष कम हो गए। अरे जितना ज्यादा ज्ञानी होगा उतना ही ज्यादा होगा आलराउंड पार्ट में । यही नियम है ना। जो सबसे जास्ती ज्ञानी होगा, उसके आलराउन्ड पार्ट में से जन्म भी ज्यादा जन्म होंगे। और जो जितना अज्ञानी होगा उतने आलराउंड पार्ट में से जन्म भी कम हो जावेंगे।

Time: 43.30-48.15
Baba: It has been said in the murli that the part of some soul will also be reduced by 50 years on this stage like world.
Student: The souls like Brahma…
Baba: So, it has been said for the souls like Brahma that their part will also be reduced by 50 years. Then who will be at the second number after Brahma? Which soul was more knowledgeable than Brahma? (Student: Om Radhe Mamma.) Om Radhe Mamma. Will her births be less, will her few years be less or more years be less? *Arey!* Will the years of Om Radhe Mamma be less in her part on this stage like world or will more years be less [in her part]? 50 years were reduced in case of Brahma. *Arey*, the more someone is knowledgeable, the more parts he will have in the *all-round* part. This is the rule, isn't it? The more someone is knowledgeable; he will have more births in his *all- round* part. And the more someone is ignorant, the more the number of his births will be reduced from his *all-round* part.

जिज्ञासुः ओमराधे ने तो पहले ही शरीर छोड़ दिया था।

बाबाः तो फिर भक्ति मार्ग में राधे का जन्म पहले दिखाते हैं या कृष्ण का जन्म पहले दिखाते हैं? बड़ा कौन था? छोटा कौन था? जो ज्ञान में बड़ा वो बड़ा ठहरा। ब्राह्मणों का नियम क्या है? स्थूल आयु देखी जाती है बड़े-छोटे के लिए या सुक्ष्म, ज्ञान की आयु देखी जाती है? (किसी ने कहा: ज्ञान की आयु।) तो बड़ा कौन था? एक-एक बात की, एक-एक मुरली के प्वाइंट की बाल में से खाल कौन निकालती थी? मम्मा निकालती थी। तो मम्मा के सृष्टि रूपी रंगमंच पर कम जन्म होंगे या ज्यादा जन्म होंगे? लंबा, उनका लंबा पीरियड होगा, पार्ट बजाने का। ब्रह्मा का पार्ट सृष्टि रूपी रंगमंच पर मम्मा के मुकाबले कम होगा। माना मम्मा पहले प्रत्यक्ष होगी कोई ब्राह्मणी के द्वारा या ब्रह्मा पहले प्रत्यक्ष होगा कोई ब्राह्मण के द्वारा? (जिज्ञासु – मम्मा) अभी किसका नंबर

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लगने वाला है? छोटी मम्मा, छोटी माँ के द्वारा प्रत्यक्ष होती है। इसलिए भक्ति मार्ग में कहा गया है कि राधे का जन्म पहले हुआ और कृष्ण का जन्म बाद में हुआ।

Student: Om Radhe had left her body earlier.
Baba: In the path of *bhakti*, is Radhe's birth shown first or is the birth of Krishna shown first? Who was elder? Who was younger? The one who is senior in knowledge is elder. What is the rule in case of the Brahmins? Is the physical age seen to term someone elder and younger or is the subtle [age], the age of knowledge seen? (Someone said: the age of knowledge.) So, who was elder? Who used to clarify every point, every point of the murlis? Mamma used to clarify it. So, will Mamma have fewer births or more births on the world stage? She will play a longer part. Brahma's part will be less compared to Mamma in this stage like world. It means, will Mamma be revealed through a *Brahmani* first or will Brahma be revealed through a Brahmin first? (Student: Mamma) Whose number is going to be declared now? The junior mother (*choti mamma*) is revealed through the junior mother (*choti ma*). This is why it has been said in the path of *bhakti* that Radha was born earlier than Krishna.

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा के 50 साल कम होते हैं। ऐसे बोला ना।
बाबाः हाँ।
जिज्ञासुः तो 18 को लागू होता है ना 50 साल।
बाबाः ब्रह्मा को नहीं बोला। (किसी ने कुछ कहा।) ब्रह्मा को नहीं बोला। ये बोला ब्रह्मा जो है वो मम्मा के मुकाबले कम जन्म लेता हैं। और मम्मा का इस सृष्टि रूपी रंगमंच पर ब्रह्मा के मुकाबले जास्ती पार्ट है। ये नहीं बोला अभी? कुछ समझ में आपने दूसरा पकड़ लिया। मम्मा और बाबा का मुकाबला हो रहा है। ओम राधे मम्मा ने ज्यादा पार्ट बजाया रंगमंच पर या ब्रह्मा ने ज्यादा पार्ट बजाया रंगमंच पर? मम्मा ने रंगमंच पर ज्यादा पार्ट बजाया क्योंकि पहले प्रत्यक्ष होना है। और ब्रह्मा को? बाद में प्रत्यक्ष होना है।

Student: Baba, it has been said that 50 years are reduced from Brahma's part, hasn't it?
Baba: Yes.
Student: So, 50 years is applicable to 18, isn't it?
Baba: It has not been said for Brahma. It has not been said for Brahma. It has been said that Brahma has fewer births when compared to Mamma. And Mamma plays a longer part when compared to Brahma on this stage like world. Was this not said now? You understood something else. Mamma and Baba are being compared. Did Om Radhe Mamma play more part on the stage or did Brahma play more part? Mamma played a longer part on the stage because she is to be revealed first. And what about Brahma? He is to be revealed later on. .... (to be continued.)

Extracts-Part-5

समयः 49.40-01.02.35
बाबाः जो आत्माएं इस नर्क की दुनिया में शरीर छोड़ती हैं, नर्क में जन्म लेती हैं। स्वर्ग में शरीर छोड़ने वाले स्वर्ग में जन्म लेंगे। ब्रह्मा बाबा ने नर्क की दुनिया में शरीर छोड़ा। तो सतयुग में जन्म कैसे ले लेते है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ये स्थूल जन्म की बात है या वायब्रेशन के आधार पर नई दुनिया बनने और बिगड़ने की बात है? हँ? वायब्रेशन के आधार पर नई दुनिया तैयार होती है। अभी वायब्रेशन के आधार पर नई दुनिया तैयार हो रही है या नहीं हो रही है? जिनका वायब्रेशन रूपी संगठन नई दुनिया का संगठन बन जावेगा। जिस संगठन रूपी किले में कोई भी विकारी पांव नहीं रख सकेगा, ऐसा वायब्रेशन तगड़ा होगा। तो नई दुनिया कही जावेगी या पुरानी दुनिया कही जावेगी? क्या कही जावेगी? नई दुनिया कही जावेगी। उसे पुरानी दुनिया नहीं कहेंगे। उस नई दुनिया में कृष्ण का जन्म होगा, राधा का जन्म होगा। वायब्रेशन की दुनिया होगी। साकार में होगी या सूक्ष्म वतन में ऊपर होगी? साकार में ऐसा वायब्रेशन बनाने वालों की दुनिया होगी। जहाँ कोई भी विकारी पांव भी नहीं रख सकेगा। बुद्धि रूपी पांव वहाँ उसका टिक न सके। ऐसा वायब्रेशन पावरफुल होगा। निर्विकारी वायब्रेशन होंगे।

Time: 49.40-01.02.35
Baba: The souls which leave their bodies in this world of hell are born in hell. Those who leave their bodies in heaven will be born in heaven. Brahma Baba left his body in the world of hell. Then, how is he born in the Golden Age? ☺
Is this about the physical birth or is it about the making and breaking of the new world on the basis of vibrations? Hm? The new world becomes ready on the basis of the new world. Is the new world becoming ready on the basis of vibrations now or not? Their vibration like gathering will become a gathering of the new world. No vicious person will be able to step into that gathering like fort. The vibration will be so strong. So, will it be called a new world or an old world? What will it be called? It will be called a new world. It will not be called an old world. Krishna will be born, Radha will be born in that new world. It will be a world of vibrations. Will it be in a corporeal form or in the subtle world above? The world of those who create such vibrations will be in a corporeal form where no vicious person will be able to step. His leg like intellect will not be able to remain stable there. The vibrations will be so powerful. The vibrations will be vice less (*nirvikari*).

तो स्थूल स्वर्ग की बात नहीं है। ऐसा वायब्रेशन हम बच्चों को बनाना है। ऐसे वायब्रेशन की दुनिया बनानी है। जो नर से नारायण जैसा पुरुषार्थ करके नारायण जैसे बन जावेंगे, निष्पाप आत्मा बन जावेगी उनके नज़दीक कोई पापी प्रवेश कर सकेगा? पापी उसके सामने आवेगा? अव्यक्त वाणी में तो बोला है – अंदर से एक और बाहर से दूसरा, ऐसा मेरे नज़दीक नहीं आ सकता। क्यों? अभी नज़दीक नहीं आ रहे हैं? अभी शिवबाबा का जो पार्ट है उस पार्ट के अंदर से एक और बाहर से दूसरे नज़दीक आकर रहते नहीं हैं? बात नहीं करते? रहते नहीं हैं क्या? संगठन में नहीं आते क्या? हँ? भल मुरली में बोला है – जो क्लास में आकरके गंदे वायब्रेशन छोड़ते हैं, क्लास में आकरके सामने बैठ के सो जाते हैं, आगे चलकरके ऐसा टाइम आवेगा – पीछे बैठाया जावेगा। अभी तो किसी को नहीं बैठा सकते। माने बाप का वो पार्ट अभी प्रत्यक्ष नहीं हुआ है जिसके वायब्रेशन इतने तगड़े हों कि कोई भी अपकारी आत्मा प्रवेश न कर सके। नई दुनिया में माने स्वर्ग की दुनिया में।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

So, it is not about the physical heaven. We children have to create such vibrations. We have to create a world of such vibrations. Those who will make *purusharth* to change from a man to Narayan and become Narayan, the soul that will become sinless (*nishpaap*), will any sinful person be able to come near him? Will a sinful person come in front of him? It has been said in the avyakta vani: "Someone who is different in and out cannot come close to Me". Why? Are they not coming close now? Do the souls, which are different in and out not come and live close to the part of Shivbaba now? Do they not talk to Him? Do they not live [with Him]? Do they not come to the gathering? Hm? Although it has been said in the murli: those who come to the class and spread dirty vibrations, those who come to the class and sit in the front and sleep; in future such time will come when they will be made to sit at the back. Now nobody can be made to sit like that. It means, that part of the Father has not been revealed yet, whose vibrations are so strong that no harmful soul could enter [the gathering]. The new world means the world of heaven (*swarg*).

स्वर्ग का मतलब ही क्या है? स्व ग। जो स्वस्थिति में गया। आखिर स्वस्थिति में जाने वालों की कोई लिस्ट होगी या नहीं होगी? हँ? होगी ना? स्वस्थिति में जाने वालों के संगठन की लिस्ट होगी तो कितनी होगी? अरे? अरे, छोटी से छोटी होगी या बड़े से बड़ी लिस्ट होगी? हँ? छोटी लिस्ट होगी। कितनों की होगी? (किसी ने कहा-4.5 लाख।) 4.5 लाख? 4.5 लाख! प्रजावर्ग भी आ जाएगा उसमें पहले? (किसी ने कहा – अंत में।) अंत में नहीं, हम पहले (की) पूछ रहे। पहला-पहला जो स्वर्गीय संगठन बनेगा... (किसी ने कुछ कहा।) आठ होंगे ना जो धर्मराज की सज़ाएं नहीं खायेंगे? पक्के होंगे 100 परसेन्ट। ऐसों की ही तो नई दुनिया पहले तैयार होगी। तो वो स्वर्गीय संगठन होगा 100 परसेन्ट या उसमें नारकीय आत्मायें भी पांव रख देगी? स्वर्गीय संगठन होगा।

What is meant by *swarg* (heaven)? *Swa ga*. The one who went into the stage of the self (*swasthiti*). Ultimately, will there be a list of those who achieve the self stage or not? Hm? It will be there, will it not be? If there is a list of those who achieve the self-stage, then how big would it be? *Arey? Arey*, will it be the smallest or the biggest list? Hm? It will be a small list. How many will be included in that list? (Someone said: 4.5 lakhs.) 4.5 lakhs (450 thousand)? 4.5 lakhs! Will those of the subject category also be included in that? (Someone said: In the end) Not in the end. I am asking about the beginning, the first heavenly gathering that will be formed... (Someone said something.) There will be eight who do not suffer punishments of Dharmaraj, isn't it? They will be firm 100 percent. The new world will be formed only with such souls. So, will that be a 100 percent heavenly gathering or will the hellish souls also step into it? It will be a heavenly gathering.

उस वायब्रेशन में जो शरीर छोड़ेंगे, उसका मुखिया कौन होगा? उस वायब्रेशन की दुनिया का मुखिया कौन होगा? हँ? (किसी ने कहा-इन्द्र।) अच्छा इन्द्र होगा। अच्छा इन्द्र अकेला होगा, निवृत्तिमार्ग होगा या प्रवृत्तिमार्ग होगा? इन्द्र कोई का आधार लेकरके रहेगा कि निराधार निवृत्ति मार्ग का होगा? (किसी ने कहा – आधार लेगा।) कौन होगा आधार? भूल गये। अरे 8 के संगठन के मुखिया कौन होते हैं? काशीराज और काशी। काशी का मतलब ही है – योग की पावर में सबसे तीखे। कश्यप की संतान कहे जाते हैं। काश्य माने तेज याद का। प माने पीने वाले। तो काशी नगरी। भगवान बाप को कौनसी नगरी प्रिय है? काशी नगरी। वहाँ योग का इतना तेज

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

होगा कि कोई भी विकारी आत्मा प्रवेश नहीं कर सकेगी। नारकीय आत्माओं का प्रवेश जैसे वर्जित। इसलिए क्या कहते हैं? वो कहावत है काशी नगरी के बारे में। अरे बहुत प्रसिद्ध कहावत है। जो कबीरदास गुरु बने, उन्होंने भी ये कहावत बोली है। लेकिन उनका इस बात पर विश्वास नहीं था क्योंकि वो अर्थ नहीं जानते थे। उन्होंने उल्टा काम कर लिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में हिन्दुओं में ये रसम चल रही है कि काशी में शरीर छोड़ेंगे तो स्वर्ग में जावेंगे और मगहर में शरीर छोड़ेंगे तो कहाँ जावेंगे? नरक में जावेंगे। इसलिए उन्होंने हठात् जब मरने का टाइम आया तो मगहर में चले गए।

Who will be the head of those who leave the body in that vibration? Who will be the chief of that world of vibrations? Hm? (Someone said: Indra.) *Accha*, it will be Indra. *Accha*, will Indra be alone, will he follow the path of renunciation or will he follow the path of household? Will Indra take the support of someone or will he independently follow the path of renunciation? (Someone said: He will take support.) Who will be the support? You have forgotten it. *Arey* who are the heads of the gathering of 8? Kashiraj and Kashi. Kashi itself means, sharpest in the power of yoga. They are called the children of Kashyap. *Kaashya* means the luster (*tej*) of remembrance. *Pa* means the ones who drink. So, *Kashi Nagari*. Which city is dear to God the Father? *Kashi Nagari*. There will be such luster of yoga over there that no vicious person will be able to enter. It is as if the entry of the hellish souls is banned. This is why what do they say? There is a proverb about the city of Kashi. *Arey*, it is a very famous proverb. Guru Kabirdas also spoke this proverb. But he did not believe in this because he did not know its meaning. He performed an opposite task. He said: There is a tradition among the Hindus of the world that if you leave your body in Kashi, you will go to heaven and if you leave the body in Maghar[5], then where will you go? You will go to hell. This is why he deliberately went to Maghar when he neared the time of death.

(किसी ने पूछा – मगहर माने?) मग माने मांगने वालों का हरण जहाँ हो जाता है। मगहर में शरीर छोड़ेंगे तो नरक में जावेंगे। काशी में शरीर छोड़ेंगे तो स्वर्ग में जावेंगे। बात कहाँ की है? (किसीने कहा-संगमयुग की बात।) माने काशी का जो संगठन है उस संगठन रूपी किले में जो जाकरके जीतेजी मरेंगे, भगवान बाप के कार्य में पुरानी दुनिया से, पुराने देह और देह के संबंधों से मर जावेंगे, काशी के नज़दीक जाकरके मरेंगे, तो कहाँ पहुँचेंगे? स्वर्ग में। माना स्वर्गीय संगठन में पहुँच गए या नारकीय संगठन में रहे? स्वर्गीय संगठन में पहुँच गए। तो क्या कहेंगे उनके लिए? काशी में जाकरके जो देह और देह के संबंधियों से कनेक्शन तोड़ लेते हैं – अरे अब उनसे बात हो या न हो, फोन पे बात हो, न हो, मिलें, न मिलें, साकार में मिलन हो या न हो। माना देह और देह के संबंधों से मर गए। देह के संबंधियों से पैसा आये या भाड़ में जाए। हमें उनसे कुछ लेना-देना नहीं। जीना तेरी गली में और मरना तेरी गली में। तो कहाँ मरे? काशी के वायब्रेशन में मरे। काशी के संगठन में मरे। देह और देह की दुनिया वालों के दिल में रहकरके नहीं मरे। उनके लिए बोला गया है कि स्वर्ग में मरेंगे तो स्वर्ग में जन्म लेंगे और नर्क में मरेंगे तो नर्क में जन्म लेंगे।

[5] a place in North India

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(Someone asked: What is meant by Maghar?) The place where *haran* (destruction) of *mag*, i.e. those who seek something (*maangney vaalon*) takes place. If you leave your body in Maghar you will go to hell. If you leave your body in Kashi you will go to heaven. It is a subject of which place? (Someone said: it is about the Confluence Age.) It means that those who die while being alive in that fort like gathering of Kashi, those who die from the old world, from the body and the old relationships of the body in the task of God the Father, if they die close to Kashi, then where will they reach? In heaven. It means that did tehy reach the heavenly gathering or did they remain in the hellish gathering? They reached the heavenly gathering. So, what will be said for them? Those who break connections with the body and the bodily relationships after reaching Kashi [thinking:] *Arey*, it doesn't matter whether we are able to talk to them or not, whether we talk to them over the phone or not, whether they meet us or not, whether they meet us in a corporeal form or not". It means they have died from the body and the bodily relationships. [They think:] "It doesn't matter whether we get money from the relatives of the body or not, we have nothing to give or take from them. I shall live in your lane and die in your lane". So, where did they die? They died in the vibrations of Kashi. They died in the gathering of Kashi. They did not die while living in the hearts of the body and the people of the world related to the body. For them it has been said: If you die in heaven you will be born in heaven [and] if you die in hell you will be born in hell.

जो नई दुनिया का फाउन्डेशन बापदादा ने डाला है... अभी नई दुनिया नहीं बन गई। नई दुनिया का फाउन्डेशन है। उस फाउन्डेशन में जो जीतेजी मरेंगे... तो फाउन्डेशन कैसा पड़ रहा है? स्वर्ग का फाउन्डेशन पड़ रहा है या नरक का फाउन्डेशन पड़ रहा है? स्वर्ग का ही फाउन्डेशन पड़ रहा है। इसलिए भक्तिमार्ग में एक और बात चल रही है। लम्बे समय तक ये बात चलती रही। अंग्रेजों ने आकर बाद में बंद कर दिया। क्या? अरे भक्तिमार्ग में हिन्दुओं में एक और बात चलती रही लंबे समय तक कि काशी नगरी में जाकरके जो काशी करवट खावेंगे तो उनके पिछले जन्म के सारे पाप भस्म हो जावेंगे। ऐसी कहावत है ना। कहाँ की यादगार है? (किसी ने कहा – संगमयुग।) भले पिछले सारे पाप भस्म हो जाएं। पिछले जन्म के तो सार पाप तो भस्म हो जावेंगे। जरूर कोई स्थूल रूप में काशी नगरी है। इतनी हिम्मत करेंगे कि देह और देह के संबंधियों से नष्टोमोहा। तो इतनी तो प्राप्ति होगी।

The foundation of the new world that Bapdada has laid... The new world has not yet been established. It is the foundation of the new world. Those who die while being alive in that foundation... what kind of foundation is being laid? Is a foundation of heaven is being laid or is a foundation of hell being laid? The foundation of heaven itself is being laid. This is why one more practice is going on in the path of *bhakti.* It continued for a long time. The British came and stopped that. What? *Arey*, in the path of *bhakti*, among the Hindus another practice continued for a long time that those who perform the *Kashi karvat* by going to the city of Kashi, all their sins of the past birth will be burnt. There is such a saying, isn't there? It is a memorial of which place? (Someone said: The Confluence Age.) Although all the sins of the past birth are burnt to ashes... All the sins of the past birth will indeed be burnt to ashes. Certainly there is a city of Kashi in a physical form where they will show the courage of being detached from the body and the bodily relatives; then they will certainly achieve attainments to this extent.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लेकिन अगर वहाँ पहुँच करके फिर पाप करना शुरु किए, श्रीमत के बरखिलाफ कर्म किये तो ऐसी परीक्षाएं आयेंगी; जैसे मकान का फाउन्डेशन डाला जाता है ना। फाउन्डेशन जब जमीन खोद के डालते हैं, तो पत्थर, ईंट नीचे डालते हैं कि नहीं? और ऊपर से चलता है दुरमुठ। तो कोई कच्चे पक्के पत्थर होते हैं (वो) उछल के बाहर चले जाते हैं, कि नींव में रह जाते हैं? बाहर चले जाते हैं। ऐसे ही माया उठाके फेंक देगी। अगर श्रीमत के बरखिलाफ काशी नगरी में करवट खाने के बाद भी चले तो। कहाँ की यादगार ? हँ? ब्राह्मणों की संगमयुगी दुनिया की यादगार है। वहाँ कितनों के काशी करवट खाई होगी उस कुएं में? एक खांडा लगा रहता है नीचे। ऊपर से एंगल बांध के, ज्ञान का एंगल बांध के कूदते हैं। ज्ञान बुद्धि में बैठा हुआ है। और खांडे में धार लगी हुई है, वहा खप्प से देह अलग और आत्मा अलग हो जाती है। फिर पाप करना शुरू कर देते हैं अगले जन्म से ।

But if they start committing sins after reaching there, if they perform actions against the shrimat, then they will face such tests; for example, the foundation for a house is laid, isn't it? When the earth is dug up to lay the foundation, then do they add stones and bricks beneath or not? And you beat them with a wooden log (*durmuth*) from above. So, the weak stones jump and go out or do they stay in the foundation? They go out. Similarly, Maya will lift and throw them out if they continue to act against shrimat even after performing *karvat* in the city of Kashi. It is a memorial of which place? Hm? It is a memorial of the world of the Confluence Age Brahmins. How many must have performed *Kashi karvat* in that well? A sword is fixed beneath. People jump from above by tying an *angle*, an *angle* of knowledge. The knowledge is seated in their intellect. And there is sharpness in the sword; the body and soul become separate immediately [after falling over it]. Then they start committing sins again from the next birth. (Concluded.)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info